स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार देश के प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार बनना चाहिए। क्योकि एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र का आधार है।

उक्त बातें गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी एवं गोरखपुर के **सांसद योगी आदित्यनाथ जी** ने **गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय** के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 59वां स्वास्थ्य मेला उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त कियें। उन्होनें इस अवसर पर कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद आज भी देश की 70 प्रतिशत आबादी अच्छी स्वास्थ्य सुविधा से पूरी तरह वंचित है। सबकों स्वास्थ्य सुविधा का संकल्प मात्र सरकारों के भरोसे सम्भव नहीं। इसके लिये निजी क्षेत्र तथा धर्मार्थ संस्थाओं को भी आगे आना होगा। गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय की स्थापना इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये सन् 2003 में की गई थी। आज यह चिकित्सालय पूर्वी उ.प्र. में सही, सस्ती एवं विश्वसनीय चिकित्सा सुविधा का सबसे बड़ा केन्द्र है साथ ही चिकित्सालय द्वारा समय–समय पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य मेला अबतक लाखों गरीब एवं असहाय मरीजों के लिये वरदान साबित हुये है। आने वाले समय में चिकित्सालय ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपनी सेवाओं का विस्तार करेगा।

स्वास्थ्य मेला उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुये चिकित्सालय के निदेशक बिग्रेडियर (डॉ.) के.पी.बी.सिंह ने कहा कि ऋतु परिवर्तन का सीधा सम्बन्ध स्वास्थ्य से है। इसके लिये बचाव सबसे अच्छा तरीका है, लेकिन अगर बीमारी शरीर को ग्रसित कर लें तो समय पर योग्य चिकित्सक से परामर्श एवं उपचार आवश्यक हो जाता है। अन्यथा बीमारी असाध्य हो सकती है और मरीज की जान भी जा सकती है। जो लोग आज की महँगी स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नही उठा सकते उनके लिये ही चिकित्सालय की स्थापना हुई है और जरूरतमन्द एंव गरीब रोगियों के लिये ही यह स्वास्थ्य मेला प्रत्येक माह चिकित्सालय आयोजित करता है।

स्वास्थ्य मेला में उपलब्ध सुविधायें इस प्रकार रही–

1. नेत्र सम्बन्धी बीमारियों जैसे मोतियाबिन्द, समलबाई, नासूर, नाखूना, पर्दे की बीमारी की निःशुल्क जॉच। मोतियाबिन्द के रोगियों को चिन्हित कर एवं आपरेशन पूर्व जांच कर मोतियाबिन्द का निःशुल्क आपरेशन बिना टॉका विधि से इन्ट्राआकुलर लेन्स (IOL) पद्धति से करना।
2. नाक–कान–गला, दन्त रोग आदि की जांच एवं उपचार।
3. टी.बी., मलेरिया, कैंसर एवं कुष्ट रोग के विषय में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं उपचार।
4. हृदय रोग, गुर्दा रोग एवं मस्तिष्क सम्बन्धी बीमारियों की जांच, परामर्श एवं उपचार।
5. बच्चों की जांच एवं टीकाकरण।
6. अस्थि रोग, चर्म रोग, स्त्री एवं प्रसुति रोग, चेस्ट रोग आदि विशिष्ट चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा परामर्श एवं उपचार।
7. ब्लड एवं ब्लड बैंक की विशेष जानकारी।
8. आयुर्वेद के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पंचकर्म एवं क्षार सूत्र चिकित्सा हेतु परामर्श एवं उपचार।

इस अवसर पर गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सी.एम.सिन्हा, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल आदि ने भी अपने विचार रखें। आज के स्वास्थ्य मेला में कुल 2600 मरीजों ने अपना पंजीकरण करवाकर निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार का लाभ प्राप्त किया तथा मोतियाबिन्द के 75 मरीज चिन्हित किये गये जिनका निःशुल्क जॉचोपरान्त आख का आपरेशन किया जायेगा। स्वास्थ्य मेला में डॉ दीपक खेतान, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. एस.के.शर्मा, डॉ. महेश चौधरी, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, डॉ. आशीष गोयल, डॉ. आर.एन.सिंह, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. ओ.पी.सिंह, डॉ. सी.बी.मद्धेशिया, डॉ. तपस कुमार आईच, डॉ. के.के.मिश्रा, डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय, डॉ. नीरज श्रीवास्तव, डॉ. डी.पी.सिंह, डॉ. डी.के.सिंह, डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ. शिवजी शर्मा, डॉ. शशांक ओझा, डॉ. अर्चना शाही, डॉ. आर.के.श्रीवास्तव, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. बी.के.राय, डॉ. नीरज कुमार नथानी, डॉ. एम.एल.जायसवाल, डॉ. ए.पी.त्रिपाठी, डॉ. पराग अग्रवाल, डॉ. संजय जायसवाल, डॉ. राजीव अग्रवाल, डॉ. निधी खेतान, डॉ. वन्दना गुप्ता, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, डॉ. पी.एन. जायसवाल, डॉ. विरेन्द्र गुप्ता, डॉ. संतोष शंकर रे, डॉ. अमिता सिंह, डॉ. राजीव रंजन श्रीवास्तव, डॉ. पूनम यादव, डॉ. देवेश गुप्ता, डॉ. मोनिका तिवारी, डॉ. अखिलेन्द्र मिश्रा, डॉ. आर.पी.पाण्डेय, डॉ. अवनीश राय, डॉ. मयंक पाण्डेय, डॉ. डी.एन.शुक्ला, डॉ. डी.के.मिश्रा, डॉ. रविशंकर सिंह, डॉ. नरेन्द्र विक्रम सिंह आदि ने अपनी सेवायें प्रदान की। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख गजेन्द्र प्रताप सिंह, सुरेश मल्ल, राजेश्वर सिंह, कामेश्वर सिंह, योगाचार्य रामकृष्ण यादव, लालजी सिंह, अरूणेश शाही, जवाहर कसौधन, विष्णु शंकर श्रीवास्तव, शिवध्वज सिंह, विनोद सिंह आदि की विशिष्ट उपस्थिति रहीं।